পাঠ
पाठ **9**

ডাক্তৰ বিচাৰি

মি. পাণ্ডে : নমস্কাৰ, ডাক্তৰ মহাশয়।

ডা. বৰুৱাঃ অ’ নমস্কাৰ। আহক, আপোনাৰ আকৌ কি হ’ল?

মি. পাণ্ডে : যোৱা কালি বন্ধু এজনৰ ঘৰলৈ গৈছিলোঁ। তেওঁ মাছ মাংস দুয়ো্প যোগাৰ কৰিছিল। অলপ বোধহয় বেছিকৈ খালোঁ। পৈ ৌে ঘু ঘু্প আছে।

ডা. বৰুৱাঃ শৌচ পেচাব কেনেকুৱা?

মি. পাণ্ডে : আগৰাতি তিনিবাৰ পাতল শৌচ কৰিছিলোঁ। তাৰ পিছত আৰু হোৱা নাম্প। কেৱল পৈ ৌেহে বিষাম্প আছে।

ডা. বৰুৱাঃ এতিয়া শ্পয়াতে অকণমান শুম্প দিয়ক। আপোনাৰ জিভাখন চাওঁ। এবাৰ দীঘলকৈ উশাহ লওক।

डाक्टर की खोज में

श्रीमान पांडे : नमस्कार डाक्टर साहब?

डॉ. बरुआ : नमस्कार। आइए, बताइए, आपको क्या हुआ है?

श्रीमान पांडे : कल एक दोस्त के घर गया था। उन्होंने मांस मछली की व्यवस्था की थी। लगता है कुछ ज़्यादा खा लिया। पेट में गुड़ गुड़ाहट हो रही है।

डॉ. बरुआ : टट्टी पेशाब का क्या हाल है?

श्रीमान पांडे : आधी रात तक तीन बार पतले दस्त हुए। उसके बाद दस्त नहीं हुए। केवल पेट में दर्द है।

डॉ. बरुआ : यहाँ लेट जाइए। अपनी जीभ दिखाइए। जरा लंबी सांस लीजिए। अपना हाथ निकालिए। ....रक्तचाप भी

চাওঁ, হাতখন দিয়ক। .....ৰক্তচাপও ঠিকেম্প আছে। কেৱল অজীর্ণ। আগতে আপোনাৰ কেতিয়াবা এনেকুৱা হৈছিল নে?

মি. পাণ্ডে : যোৱা বছৰ এবাৰ হৈছিল। নিজে নিজে ভাল হ'ল। আৰু চাওক। এম্প আঙুলিটোত ঘাঁ হৈছে।

ডা. বৰুৱাঃ ঘাঁ কেনেকৈ হ'ল?

মি. পাণ্ডে : ব্লেডে কাঁটিছিল।

ডা. বৰুৱাঃ অলপ চেপ্তিকৰ নিচিনা হৈছে। কোনো কথা নাম্প। মম্প ঔষধ লিখি দিছোঁ।

মি. পাণ্ডে : ধন্যবাদ। আপোনাৰ ফিজটো লওক।

ডা. বৰুৱা : ধন্যবাদ।

ठीक है। केवल अजीर्ण है। आपको पहले कभी ऐसा हुआ था क्या?

श्रीमान पांडे : पिछले साल, एकबार हुआ था। ऐसे ही ठीक हो गया था। देखिए इस उंगली में घाव हो गया है।

डॉ. बरुआ : घाव कैसे हो गया?

श्रीमान पांडे : ब्लेड से कट गया था।

डॉ. बरुआ : थोड़ा सेप्टिक-सा हो गया है। कोई बात नहीं, मैंने दवाई लिख दी है।

श्रीमान पांडे : धन्यवाद। यह लीजिए आपकी फीस।

डॉ. बरुआ : धन्यवाद।

शब्दार्थ

असमिया शब्द	हिंदी अर्थ
আকৌ	फिर

কালি	कल (बीता हुआ)
মাছ	मछली
মাংস	मांस
ঘুঁ ঘুঁাম্প	गुड़ गुड़ कर
শৌচ	टट्टी
পেচাব	पेशाब
আগৰাতি	रातका पहला भाग
পাতল	पतला
কেৱল	केवल
বিষাম্প আছে	पीड़ा, दर्द हो रहा है
কিবা	क्या
শুম্প দিয়ক	लेट जाइए
দীঘল	लंबी
উশাহ	सांस
হাত	हाथ
ৰক্তচাপ	रक्तचाप
অজীর্ণ	अजीर्ण
আগতে	पहले
কেতিয়াবা	कभी
এনেকুৱা	ऐसा
যোৱা বছৰ	पीछले साल
নিজে নিজে	अपने आप
আঙুলি	उंगली
ঘাঁ	घाव
	कट गया

কাঁচিল	अल्प, थोड़ा
অলপ	जैसा
নিচিনা	कोई
কোনো	दवाई
ঔষধ	

अभ्यास

I. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

उदाहरण:

(क) মস্প এদিন চিৰিয়াখানালৈ গলোঁ।

→ মস্প এদিন চিৰিয়াখানালৈ গৈছিলোঁ।

1. মস্প স্পয়ালৈ আহিলোঁ।
2. মস্প কামটো কৰিলোঁ।
3. মস্প আজি বহুত খালোঁ।
4. আমি গছ জোপা কাঁটিলোঁ।
5. মস্প কিতাপখন দিলোঁ।

(খ) তেওঁ চিঠিখন লিখিলে।

→ তেওঁ চিঠিখন লিখিছিল।

1. তেওঁ কিতাপখন দিলে।
2. তেওঁৰ হাতখন কাঁটিলে।
3. তেওঁলোকে ভাত খালে।
4. যোৱা ৰাতি খুব বৰষুণ হ'ল।
5. তেওঁ কামটো কৰিলে।

II. নীচে দিए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए।

বেছি

দীঘল

পিছ

বহুত

অলপ

III. सही जोड़े बनाइए।

পৈ	জন
কিতাপ	গৰাকী
মানুহ	জনী
ছোৱালী	টো
মহিলা	খন

IV. एक वाक्य में उत्तर दीजिए :

1. যোৱা ৰাতি মি. পাণ্ডে কেনি গৈছিল?
2. মি. পাণ্ডেয়ে কি কি খাম্পছিল?
3. পাণ্ডেৰ আচলতে কি অসুখ হৈছে?
4. পাণ্ডেৰ ৰক্তচাপ ঠিক আছেনে?
5. পাণ্ডেৰ হাতত কেনেকৈ ঘাঁ হৈছিল?

V. वाक्य बनाइए :

আগত	আগতে
চালে	দেখিলে

কিহবাম্প কিহে

কেতিয়াবা কেতিয়াও

আছিলোঁ থাকিলোঁ

VI. नीचे दिए गए शब्दों के विलोम रूप लिखिए और उनका वाक्य में प्रयोग कीजिए।

বেছি

দীঘল

বহুত

ওখ

ভাল

पढ़िए और समझिए।

বতৰ

সেম্পদিনা ৰাতি আকাশত মেঘে গাজিছিল, মাজে মাজে বিজুলী ঢেৰেকনিও মাৰিছিল। তেতিয়ালৈ মিচেচ বৰুৱাৰ ভাত হৈছিল। তেওঁ সকলোকে মাতিছিল। দীপা আৰু ৰীতা আহিছিল। কিন্তু ৰাতুল অহা নাছিল। মাকে আকৌ মাতিছিল, 'ৰাতুল, বেগেতে আহ।' ৰাতুল আহিছিল। মাকে সুধিছিল -- 'তম্প কি কৰি আছিলি? ম্পমান দেৰি কিয় অহা নাছিলি?' 'মম্প পঢ়ি আছিলোঁ' - ৰাতুলে কলে। তাৰ পাছত সি ভিতৰত বহিছিল। হঠাৎ জোৰেৰে বৰষুণ দিছিল। লগে লগে মিচেচ বৰুৱাম্প দুৱাৰ খিৰিকিবোৰ বন্ধ কৰি দিছিল। এনেতে ঘন ঘন কৈ ঘৰৰ কলিং বেল বাজিছিল। মিচেচ বৰুৱাম্প দুৱাৰ খুলিছিল। মি. বৰুৱা বাহিৰত ৰৈ আছিল। মিচেচ বৰুৱাম্প সুধিছিল -- 'তুমি ম্পমান দেৰী ক'ত আছিলা'? বৰুৱাম্প লাহেকৈ কৈছিল -- 'মম্প

দত্তৰ ঘৰত আছিলোঁ'। মিচেচ বৰুৱাম্প কৈছিল -- 'এতিয়া আহা, কাপোৰ সলোৱা আৰু ভাত খোৱাহি।'

নয়ে শব্দ

असमिया शब्द	हिन्दी अर्थ
সেম্প দিনা	उस दिन
ৰাতি	रात
আকাশত	आकाश में
মাজে মাজে	बीच बीच में
মেঘ	बादल
বিজুলী	बिजली
ঢেৰেকনি	कौंध, गड़गड़ाहट
সকলোৱে	सभी को
বেগেতে	जल्दी
সুধিছিল	पूछा था
অহা নাছিল	आया नहीं था
বহিছিল	बैठा था
হঠাৎ	अचानक
লগে লগে	साथ साथ में
পাছত	पीछे
দুৱাৰ	द्वार
খিৰিকি	खिड़की
ঘন ঘনকৈ	बार बार
বাজিছিল	बजा था

দেৰি	विलंब
সলোৱা	बदलना
খোৱাহি	आकर खाओ

अभ्यास

I. एक वाक्य में उत्तर दीजिए :

1. মিচেচ বৰুৱাৰ ল'ৰা ছোৱালী কেম্পা?
2. ৰাতুল কিয় অহা নাছিল?
3. কেনেকুৱা বৰষুণ হৈছিল?
4. মি. বৰুৱা স্পমান দেৰীলৈ ক'ত আছিল?
5. মিচেচ বৰুৱাৰ তেতিয়া ভাত হৈছিল নে?

II. पाठ के आधार पर रिक्त स्थानों की पूर्ति कर वाक्य बनाइए।

1. আকাশত মেঘে __________ ।
2. মাজে মাজে বিজুলী __________মাৰিছিল।
3. তেওঁ দীপা, ৰীতা আৰু ৰাতুল __________ মাতিছিল।
4. মাকে সুধিলে 'তম্প স্পমান ______ কি কৰিছিলি।'
5. মিচেচ বৰুৱাম্প দুৱাৰ __________বন্ধ কৰিছিল।
6. মিচেচ বৰুৱাম্প কলে -- 'আঁহা কাপোৰ ________।'

III. विलोम शब्द लिखिए।

ওপৰ, নতুন, আগে, স্পয়াত, ছুঁি, ওখ, বেয়া

II. हिंदी में अनुवाद कीजिए :

মম্প কালি কামাখ্যা মন্দিৰলৈ গৈছিলোঁ। মোৰ লগত বন্ধু বলীনো গৈছিল। আমি মন্দিৰত পূঁজা কৰিছিলোঁ। তাৰ পাছত আমি নামি আহিছিলোঁ। আহোঁতে অলপ অলপ বৰষুণ পৰিছিল। আমি গধুলি ঘৰ পাম্পছিলোঁ। মায়ে সুধিছিল -- 'কিয় স্পমান দেৰি হল?' আমি কৈছিলোঁ -- 'বৌত বৰষুণ আহিছিল।'

IV. असमिया में अनुवाद कीजिए :

मैं कल अपने दोस्त के घर गया था। दोस्त के घर भोज का आयोजन था। भोज में बढ़िया चीज़ें पेश की गईं। खाने में पूड़ी-कचौड़ी के साथ दोसा भी था। दाल-भात के साथ हलवा भी था। रसगुल्ले के साथ मालपुआ भी था। मैं कुछ ज़्यादा ही खा गया। नतीजा हुआ पेट की गड़बड़ी। डॉक्टर ने दो दिनों तक कुछ न खाने की हिदायत दी। आराम करने के लिए मैंने एक दिन की छुट्टी भी ली।

टिप्पणियाँ

1. पূর্ণভূত কালৰ ক্রিয়া (पूर्ण-भूत काल की क्रिया) : धातुके साथ {-স্পছ+-স্পল} जोड़ कर पुर्ण-भूत काल का गठन किया जाता है। इसी ढंग से गठित धातु के साथ उत्तम पुरुष में {-ওঁ}

(-ओं), मध्यम पुरुष तुच्छार्थ और समानार्थ में क्रमशः {-স্প} (-इ),{-আ} (-आ) जोड़ा जाता है। लेकिन मध्यम पुरुष मान्यार्थ और अन्यपुरुष में {-Ø} कोई पुरुष विभक्ति नहीं लगती। इस में सकर्मक और अकर्मक का कोइ भेद नहीं होता। जैसे --

মম্প	কৰ	+ -স্পছ্	+ -স্পল্	+ -ওঁ	=	কৰিছিলোঁ
আপুনি	খা	+ -স্পছ্	+ -স্পল্	+ -Ø	=	খাম্পছিল
বৰষুণ	হ	+ -স্পছ্	+ -স্পল্	+ -Ø	=	হৈছিল

1. বাক্যৰ আহিঁৰ বিষয়ে (वाक्य के गठन के बारे में) : इस पाठ में पूर्ण-भूत काल की क्रिया का प्रयोग बताया गया है।